http://www.ukboardonline.com

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4
No. of printed pages : 4

102

402 (IAC)

2016

हिन्दी

(केवल कृषि वर्ग भाग—II के लिए)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश : (1) इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड 'अ' और 'ब' हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रश्नों के उत्तर यथा सम्भव क्रमवार दीजिए।
(2) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

मनुष्य नाशवान् प्राणी है। वह जन्म लेने के बाद मरता अवश्य है। अन्य लोगों की तरह महापुरुष भी नाशवान् हैं। वे भी समय आने पर अपना शरीर छोड़ देते हैं, पर वे मरकर भी अमर हो जाते हैं। वे अपने पीछे छोड़े गए कार्य के कारण अन्य लोगों के द्वारा याद किए जाते हैं। उनके ये कार्य चिरस्थायी होते हैं और समय के साथ–साथ परिणाम और बल में बढ़ते जाते हैं। ऐसे कार्य के पीछे जो उच्च आदर्श होते हैं, वे स्थायी होते हैं और बदली परिस्थितियों में नए वातावरण के अनुसार अपने को ढाल लेते हैं। संसार ने पिछली पच्चीस शताब्दियों से भी अधिक में जितने भी महापुरुषों को जन्म दिया, उनमें गाँधी जी को यदि बड़ा माना जाता है तो भविष्य में भी उन्हें सबसे बड़ा माना जाएगा, क्योंकि उन्होंने अपने जीवन की गतिविधियों को विभिन्न भागों में नहीं बाँटा, बल्कि जीवन धारा को सदा एक और अविभाज्य माना। जिन्हें हम सामाजिक, आर्थिक और नैतिक के नाम से पुकारते हैं, वे वास्तव में उसी धारा की उपधाराएँ हैं, उसी भवन के अलग–अलग पहलू हैं। गाँधी जी ने मानव–जीवन के इस नव–कथानक की व्याख्या न किसी हृदय को स्पर्श करने वाले वीर काव्य की भाँति की और न किसी दार्शनिक महाकाव्य की भाँति। उन्होंने मनुष्यों की आत्मा में अपने को निम्नतम् रूप में उचित कार्य के प्रति निष्ठा, किसी ध्येय की पूर्ति के लिए सेवा और किसी विचार के प्रति समर्पण के बीच सतत चलने वाले संघर्ष के नाटक की भाँति माना है। उन्होंने सदा साध्य को ही महत्त्व नहीं दिया, बल्कि उस साध्य को पूरा करने के लिए अपनाए जाने वाले साधनों का भी ध्यान रखा। साध्य के साथ–साथ उसकी पूर्ति के लिए अपनाए गए साधन भी उपयुक्त होने चाहिए।

(क) सामान्य पुरुष व महापुरुष में क्या अन्तर है ? 3
(ख) गाँधी जी को भविष्य में भी बड़ा क्यों माना जाएगा ? 3
(ग) गाँधी जी ने मानव–जीवन की व्याख्या किस प्रकार की ? 3
(घ) साध्य और साधन के सम्बन्ध में गाँधी जी के क्या विचार थे ? 3
(ङ) इस गद्यांश के लिये उपयुक्त शीर्षक लिखिये। 3

2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए – 10

(क) राष्ट्र निर्माण में युवा–शक्ति का योगदान
(ख) उत्तराखण्ड में पर्यटन की सम्भावनाएँ
(ग) प्रदूषण और हमारा दायित्व
(घ) सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – 1×5 = 5

(क) एक श्रेष्ठ प्रतिवेदन में क्या गुण होने चाहिए ? लिखिए।
(ख) जनसंचार का माध्यम 'रेडियो' की उपयोगिता क्या है ?
(ग) इन्टरनेट की सुविधाओं में 'होम पेज़' क्या है ?
(घ) मुद्रण–माध्यम की एक प्रमुख विशेषता लिखिए।
(ङ) किसी हिन्दी मासिक पत्रिका का नाम बताइये।

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

4. 'मोबाइल फोन का करिश्मा' विषय पर लगभग 150 शब्दों में एक आलेख लिखिए। 5

अथवा

'बढ़ती महंगाई' के कारण जनता में व्याप्त असन्तोष पर लगभग 150 शब्दों का एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए।

5. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=3$

पग घुंघरू बांधि मीरां नाची,
मैं तो मेरे नारायण सूं, आपहि हो गयी साची
लोग कहै, मीरां भइ बावरी; न्यात कहै कुल–नासी
विस का प्याला राणा भेज्या, पीवत मीरां हाँसी
मीरां के प्रभु गिरधर नागर, सहज मिले अविनासी।

(क) लोग मीरा को बावरी क्यों कहते हैं ? (ख) मीरा ने विष का प्याला हँसते हुए क्यों पी लिया ?
(ग) मीरा ने 'सहज मिले अविनासी' क्यों कहा ?

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=3$

छोटा मेरा खेत चौकोना
कागज का एक पन्ना,
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया।

(क) छोटे चौकोने खेत को कागज का पन्ना कहने में क्या अर्थ निहित है ?
(ख) रचना के सन्दर्भ में 'अंधड़ व बीज' का क्या आशय है ?
(ग) इस कविता का तथा इसके कवि का नाम लिखिए।

7. निम्नलिखित काव्यांशों का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए – $2+2=4$

(क) हे सजीले हरे सावन,
हे कि मेरे पुण्य पावन,
तुम बरस लो वे न बरसें,
पाँचवें को वे न तरसें,

http://www.ukboardonline.com

(ख) आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
ज़ोर ज़बरदस्ती से
बात की चूड़ी मर गयी
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी।

8. (क) कबीर की दृष्टि में ईश्वर एक है। इसके समर्थन में उन्होंने क्या तर्क दिए हैं ? 2

अथवा

'आओ, मिलकर बचाएँ' कविता आदिवासी समाज की किन बुराइयों की ओर संकेत करती है ?

(ख) 'कैमरे में बन्द अपाहिज़' करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है – इस कथन का तर्क संगत उत्तर दीजिए। 2

अथवा

'पतंग' कविता के आधार पर बताइये कि दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने का क्या तात्पर्य है ?

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए – $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=3$

स्पीति हिमाचल प्रदेश के लाहुल–स्पीति जिले की तहसील है। लाहुल–स्पीति का यह योग भी आकस्मिक ही है। इनमें बहुत योगायोग नहीं है। ऊँचे दर्रों और कठिन रास्तों के कारण इतिहास में भी कम रहा है। अलंघ्य भूगोल यहाँ इतिहास का एक बड़ा कारक है। अब जबकि संचार में कुछ सुधार हुआ है तब भी लाहुल–स्पीति का योग प्रायः 'वायरलेस सेट' के जरिए हैं जो केलंग और काजा के बीच खड़कता रहता है। फिर भी केलंग के बादशाह को भय लगा रहता है कि कहीं काजा का सूबेदार उसकी अवज्ञा तो नहीं कर रहा है ? कहीं बगावत तो नहीं करने वाला है ? लेकिन सिवाय वायरलेस सेट पर संदेश भेजने के वह कर भी क्या सकता है ? वसंत में भी 170 मील जाना–आना कठिन है। शीत में प्रायः असंभव है।

(क) स्पीति में इतिहास कम क्यों रहा है ? (ख) स्पीति की भौगोलिक स्थिति पर प्रकाश डालिए।
(ग) केलंग के बादशाह का डर क्या है ?

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1½+1½ = 3

सेवक–धर्म में हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है – नाम है लछमिन अर्थात लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल को कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी। वैसे तो जीवन में प्रायः सभी को अपने–अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि–सूचक नाम किसी को बताती नहीं। केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया; पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग न करूँ। उपनाम रखने की प्रतिभा होती, तो मैं सबसे पहले उसका प्रयोग अपने ऊपर करती, इस तथ्य को वह देहातिन क्या जाने, इसी से जब मैंने कंठी माला देखकर उसका नया नामकरण किया तब वह भक्तिन जैसे कवित्वहीन नाम को पाकर भी गद्गद हो उठी।

(क) भक्तिन कौन है ?

(ख) सभी को अपने–अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है, क्यों ?

(ग) भक्तिन समझदार कैसे है ? वह अपने नाम के बारे में क्या गोपनीयता बरतती है ?

11. 'नमक का दारोगा' कहानी का कौन सा पात्र आपको सर्वाधिक प्रभावित करता है और क्यों ? संक्षेप में लिखिए। 3

अथवा

मोहन के लखनऊ आने के बाद के समय को लेखक ने उसके जीवन का एक नया अध्याय क्यों कहा है ?

12. द्विवेदी जी ने शिरीष को कालजयी अवधूत (संन्यासी) की तरह क्यों माना है ? 3

अथवा

'पानी दे, गुड़धानी दे' इंदर सेना के इस खेलगीत का आशय लिखिए।

13. कुंई का मुँह छोटा क्यों रखा जाता है ? 2

अथवा

अपने परिवार से तातुश के घर तक के सफर में बेबी के सामने रिश्तों की कौन–सी सच्चाई उजागर होती है ?

14. स्वयं कविता रच लेने का आत्मविश्वास लेखक के मन में कैसे पैदा हुआ ? 'जूझ' कहानी के आधार पर उत्तर दीजिए। 2

अथवा

'जन्यो पुन्यूँ' से क्या आशय है ?

15. 'मेरा इतना सुख अभी तक कहाँ था ?' आलो–आँधारि की लेखिका ने ऐसा क्यों कहा ? 5

अथवा

पुरातत्व के किन चिन्हों के आधार पर आप यह कह सकते हैं कि–'सिन्धु–सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी।'

खण्ड – 'ब'

16. अधोलिखित गद्यांशं पठित्वा मात्र प्रश्न द्वयो उत्तरं लिखत। 1½+1½=3

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए।)

अत्र बदरीनाथः, केदारनाथः, गंगोत्री, यमनोत्री च चत्वारि धामानि धार्मिकजनानां श्रद्धाकेन्द्राणि वर्तन्ते। अनेकैः धर्मपरायणैः जनैः निर्मिताः धर्मशालाः नूतनाः निर्मिताः राजमार्गाः च तीर्थयात्रां सुखदां निर्मान्ति। प्रतिवर्षं न केवलं भारतस्यैव अपितु वैदेशिकाः अपि अधिकाधिकसंख्यायाम् अत्र समागच्छन्ति। तीर्थयात्रिणः गंगायाः पावने शीतले च जले स्नात्वा मठमन्दिरेषु च भगवतः दर्शनानि कृत्वा आत्मनः जीवनं धन्यं कुर्वन्ति, तत्रैव पर्यटनार्थं समागताः अपि यात्रिकाः मसूरी–नैनीताल–कौसानी–कुसुमोपत्यकादिषु सुरम्येषु स्थानेषु आगत्य प्रकृत्याः मनोहरं सौन्दर्यं विलोक्य स्वर्गसुखामिव अनुभवन्ति।

(क) कानि धार्मिकजनानां श्रद्धाकेद्राणि वर्तन्ते ? (ख) प्रतिवर्ष के उत्तराखण्डे समागच्छन्ति ?

(ग) तीर्थयात्रिणः किम् कृत्वाः आत्मनः जीवनं धन्यं कुर्वन्ति ?

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

17. अधोलिखित गद्यांशं पठित्वा मात्र प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत। 1½+1½=3
(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए।)

किन्तु एकः लघुकायः मण्डूकः मन्दं मन्दं स्तम्भस्य आरोहणम् आरब्धवान्। 'एषः लघुकायः कथं स्तम्भस्य आरोहणं कुर्यात् ?' इति सर्वे उपहसितवन्तः। अल्पे एव काले सः लघुकायः स्तम्भस्य मध्यभागं प्राप्नोत्। 'अये, पतिष्यति भवान्।' 'भोः, किमर्थम् एतत् साहसं भवतः।' 'अयि भोः, भवतः प्रयासः व्यर्थः' इत्यादीनि वचनानि मण्डूकानां मुखात् निर्गतानि। तथापि सः लघुकायः मण्डूकः निरन्तरम् अग्रे अगच्छत्। सर्वेषु आश्चर्येण पश्यत्सु सः स्तम्भस्य अग्रभागम् अपि प्राप्नोत्।

(क) लघुकायः मण्डूकः कथं सर्वे उपहासितवन्तः ? (ख) मण्डूकानां मुखात् कीदृशानि वचनानि निर्गतानि ?
(ग) सर्वेषु आश्चर्येण पश्यत्सु किम अभवत् ?

18. प्रदत्त श्लोकं पठित्वा प्रश्न **एकस्य** उत्तरं लिखत। 2
(निम्नलिखित श्लोक से पूछे गए प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिये)

अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम् ।।

(क) कस्य चत्वारि गुणाः वर्धन्ते ? (ख) अभिवादनशीलस्य नित्य वृद्धोपसेविनः किम् किम् वर्धन्ते ?

19. प्रदत्त श्लोकं पठित्वा प्रश्न **एकस्य** उत्तरं लिखत। 2
(निम्नलिखित श्लोक से पूछे गए प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिये।)

उष्मतो म्लायते वर्णस्त्वक् फलं पुष्पमेव च।
म्लायते शीर्यते चापि स्पर्शस्तेनात्र विद्यते ।।

(क) अत्र किं किम् म्लायते शीर्यते च ? (ख) फलं पुष्पं केन विशीर्यते ?

20. संस्कृत पाठ्यपुस्तकाधारेण प्रदत्तेषु प्रश्नेषु प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत। 2½+2½=5
(संस्कृत पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए)

(क) श्रीहर्ष काले कः यात्री भारतम् आगतवान् ? (ख) मणिरामस्य स्यूते कानि रत्नानि सन्ति ?
(ग) दिनेश मातरम् किं पृच्छति ? (घ) कीदृशः नरः साक्षात् पशु भवति ?

21. संस्कृत पाठ्यपुस्तकाधारेण् प्रदत्तेषु प्रश्नेषु प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत। 2½+2½=5
(संस्कृत पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए)

(क) कवि चातकं किं कर्तुम् कथयति ? (ख) अनुजस्य हृदयं किं द्रावयति स्म ?
(ग) गोविन्दबल्लभपन्तः कीदृशः राजनीतिज्ञ आसीत ? (घ) 'गान्धारी' कस्य माता आसीत् ?

22. अधोलिखितेषु पदेषु मात्र **चत्वारि** पदानि चित्वा तेषां वाक्य रचना संस्कृत भाषायां कुरुत। 4
(निम्नलिखित पदों में **से चार** पदों की वाक्य रचना संस्कृत में कीजिए)

वानरात्, आचार्य, वसुधाम्, यस्य, गच्छति, रसगोलकम्, गंगा, पत्रं, कुत्र, उद्याने

23. (क) सन्धिं कुरुत। (सन्धि कीजिए।) : देव+आत्मजाः **अथवा** प्रसन्नः+अस्मि 1
(ख) सन्धि विच्छेदं कुरुत। (सन्धि विच्छेद कीजिए।) : दुर्योधन **अथवा** विविधैरपि 1
(ग) समास विग्रहं कुरुत। (समास विग्रह कीजिए।) : नीलकण्ठः **अथवा** प्रतिदिनम् 1
(घ) कारकं स्पष्टं कुरुत। (कारक स्पष्ट कीजिए।) : सः सिंहात् विभेति **अथवा** श्रीगुरवेः नमः 1
(ङ) पुरुष वचनं च लिखत। (पुरुष और वचन लिखिए।) : विभेषि **अथवा** पठिष्यामि 1
(च) विभक्ति वचनं च लिखत। (विभक्ति और वचन लिखिए) : रूपग्रामे **अथवा** भक्षणात् 1

अथवा

अस्मिन प्रश्न–पत्रे आगतम् श्लोकं वर्जयन् कमपि अन्यं कंठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दी भाषायां तस्य अंनुवादं कुरुत। 3+3 = 6
(कोई एक कण्ठस्थ श्लोक, जो इस प्रश्न–पत्र में न आया हो, लिखिए और उसका हिन्दी में अनुवाद कीजिए)

****

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com